ये अव्यक्त इशारे

सत्यता और सभ्यता रूपी क्लचर को अपनाओ

3-03-2025

जोश में आकर यदि कोई सत्य को सिद्ध करता है तो जरूर उसमें कुछ न कुछ असत्यता समाई हुई है। कई बच्चों की भाषा हो गई है - मैं बिल्कुल सच बोलता हूँ, 100 परसेन्ट सत्य बोलता हूँ। लेकिन सत्य को सिद्ध करने की आवश्यकता नहीं है। सत्य ऐसा सूर्य है जो छिप नहीं सकता। चाहे कितनी भी दीवारें कोई आगे लाये लेकिन सत्यता का प्रकाश कभी छिप नहीं सकता। सभ्यता पूर्वक बोल, सभ्यता पूर्वक चलन, इसमें ही सफलता होती है।

Adopt the culture of truth and good manners

Those who try to prove that something is true by becoming forceful definitely have something not quite honest merged within them. The language of many children has become such that they say: I really am speaking the honest truth. I am speaking 100% truth. However, there should be no need to prove the truth. Truth is like the sun; it cannot be hidden. No matter how many screens are put in front of you, your light of truth cannot be hidden. Words and behaviour based on decency definitely bring success